

न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश,द्वितीय,सह विशेष न्यायाधीश,उत्पाद,समस्तीपुर।

सिंधिया थाना काण्ड सं० 172/19,कम्प्यूटर निबंधन सं० 1380/19

**18.01.20** आवेदक 1. शिव नारायण पासवान, जो सिंधिया थाना काण्ड सं० 172/19, धारा-30(a) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधि० 2016 के अन्तर्गत दिनांक 16.1.20 से काराधीन है, की ओर से दाखिल जमानत आवेदन पर उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता को सुना। जमानत आवेदन की प्रति विद्वान वि० लोक अभि० को भी दी गयी।

आवेदक अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता श्री ठाकुर विक्रम सिंह जमानत आवेदन प्रचालित करते हुए निवेदन किये कि आवेदक निर्दोष है, उसने कोई अपराध कारित नहीं किया है। उसके विरुद्ध लगाया गया आरोप मनगढ़त, असत्य एवं निराधार है। उसकी ओर से पूर्व में दाखिल ए०बी०पी० 3177/19 दि० 20.12.19 को खारिज किया जा चुका है। उसके पश्चात उसकी ओर से वर्तमान जमानत आवेदन को छोड़कर कोई अन्य अग्रिम या नियमित जमानत आवेदन मान्नीय उच्च न्यायालय या किसी अन्य वरीय न्यायालय में न तो दाखिल किया गया है और न ही लम्बित है। विद्वान अधिवक्ता का आगे कथन है कि उसके पास से कोई शराब बरामद नहीं किया गया है। तथाकथित बरामद शराब से उसका कोई संबंध नहीं है। आरोपित धाराएं उसके विरुद्ध नहीं बनती हैं। वह दि० 16.1.20 को स्वयं आत्मसमर्पण किया है तथा उस दिन से काराधीन है। अतः उसे जमानत पर मुक्त करने का आदेश देने की कृपा की जाए।

विद्वान वि० लोक अभियोजक श्री कृष्ण मुरारी प्रसाद द्वारा जमानत का विरोध किया गया।

उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता को सुना एवं अभिलेख का अवलोकन किया। इस वाद की प्राथमिकी आवेदक अभियुक्त के विरुद्ध धारा-30(a)बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधि० 2016 के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार सूचक द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी के क्रम में आवेदक अभियुक्त के घर के आगे बने फुस के घर से 1278.72 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया जिसकी जप्ती सूची बनायी गयी। आवेदक विदेशी शराब का कारोबारी है जिसके विरुद्ध लगाये गये आरोप की प्रकृति काफी गम्भीर है तथा वाद अनुसंधान की अवस्था में है।

उपरोक्त विवेचित परिस्थितियों में आरोप की गम्भीरता तथा बरामद शराब की भारी मात्रा को देखते हुए यह न्यायालय आवेदक अभियुक्त को जमानत का लाभ देना न्यायोचित नहीं समझता है। अतः आवेदक अभियुक्त की ओर से दाखिल जमानत आवेदन खारिज किया जाता है।

लेखापित

अपर सत्र न्या०-2

सह वि० न्या०उत्पाद